Dr. Kumari priyanka

Department of history

H.D jain college, ara

Notes for ug sem 2

## Topic :-असीरियन सभ्यता का सामाजिक वर्णन करें।

असीरिया (Assyria) मेसोपोटामिया की एक प्रमुख प्राचीन सभ्यता थी, जो लगभग 2500 ईसा पूर्व से 612 ईसा पूर्व तक अस्तित्व में रही। यह सभ्यता अपनी सैन्य शक्ति, संगठित प्रशासन और कठोर सामाजिक संरचना के लिए जानी जाती थी।

### *1. समाज की संरचना*

असीरियन समाज एक कठोर वर्गीय व्यवस्था पर आधारित था, जिसमें राजा से लेकर दासों तक विभिन्न सामाजिक वर्गों में विभाजन था।

**(क) राजा और शाही परिवार**

- राजा को देवता अशूर का प्रतिनिधि माना जाता था और उसकी सत्ता सर्वोच्च थी।
- शाही परिवार के सदस्य उच्च प्रशासनिक और सैन्य पदों पर होते थे।

**(ख) कुलीन वर्ग (Nobility)**

- इसमें उच्च पदस्थ अधिकारी, मंदिरों के पुरोहित और सैन्य अधिकारी शामिल थे।
- वे विशाल भूमि के स्वामी होते थे और समाज में उनका प्रभाव अत्यधिक था।

**(ग) व्यापारी एवं मध्यवर्ग**

- व्यापारी और कारीगरों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान था।
- असीरिया में व्यापार बहुत विकसित था, और कई व्यापारी विदेशी व्यापारिक नेटवर्क से जुड़े थे।

**(घ) कृषक एवं श्रमिक वर्ग**

- समाज का एक बड़ा हिस्सा कृषकों और श्रमिकों का था, जो राजा और कुलीनों की भूमि पर खेती करते थे।
- इन पर करों और श्रम-सेवा (Curve labor) का भार रहता था।

**(ड़) दास वर्ग (Slaves)**

- दास समाज के सबसे निचले स्तर पर थे और युद्धों में पकड़े गए लोगों से बना था।
- वे मंदिरों, महलों और धनी परिवारों की सेवा करते थे।

*2. पारिवारिक संरचना और महिलाओं की स्थिति*

- असीरियन समाज पितृसत्तात्मक था, और पुरुषों का प्रभुत्व था।
- विवाह अनुबंधों पर आधारित होता था, और बहुपत्नी प्रथा उच्च वर्गों में प्रचलित थी।
- महिलाओं की स्थिति सीमित थी, लेकिन कुलीन महिलाओं को कुछ स्वतंत्रता प्राप्त थी।
- आम महिलाओं को पर्दा पहनने का नियम था, जबकि दास महिलाओं को इसकी अनुमति नहीं थी।

*3. धर्म और धार्मिक जीवन*

- असीरिया की धर्म व्यवस्था बहुदेववादी थी और प्रमुख देवता अशूर था।
- मंदिर धार्मिक, आर्थिक और प्रशासनिक केंद्र के रूप में कार्य करते थे।
- राजा स्वयं को देवताओं का प्रतिनिधि मानता था और अनेक अनुष्ठानों में भाग लेता था।

*4. कला, शिक्षा और कानून*

- असीरियन समाज में शिक्षा विशेषकर अभिजात्य वर्ग के लिए उपलब्ध थी।
- क्यूनिफॉर्म (Cuneiform) लेखन प्रणाली का प्रयोग होता था।
- हHammurabi के समान कठोर कानून असीरिया में भी लागू थे, जिनमें अपराध के लिए कड़ी सजाएँ दी जाती थीं।
- युद्ध और विजय को दर्शाने वाली भव्य मूर्तियाँ और महलों की दीवारों पर चित्रण असीरियन कला की प्रमुख विशेषताएँ थीं।

## निष्कर्ष

असीरियन समाज एक कठोर वर्गीय संरचना पर आधारित था, जहाँ राजा और कुलीनों का प्रभुत्व था, जबकि कृषक और दास समाज के निचले स्तर पर थे। यह समाज सैन्य शक्ति, कठोर कानूनों और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध था, जिसने इसकी स्थिरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।